18. टोंक

Date ___/___/______ Page No.: ______

⇒ उपनाम :- नवाबों का शहर।

⇒ स्थापना :- टोंक जिलें की स्थापना राजा मानसिंह ने टोकरा के 12 गाँवों के समूह को मिलाकर।

→ राज० में नमदे बनाने के लिये टोंक जिला ~~प्रमुख~~ प्रसिद्ध है।

→ केन्द्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान मालपुरा (टोंक) में।

→ अविका नगर (टोंक) में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा स्थापित केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान स्थित है।

→ टोंक जिले में 1000 सीढ़ियों वाली हाड़ी रानी की बावड़ी स्थित है।

→ ~~चस्कान्त~~ चारबैत गायन शैली टोंक जिले में प्रसिद्ध है।

→ राज० में सर्वाधिक सौंफ व पपीता टोंक जिले में

→ राज० में सर्वप्रथम राजकीय बस सेवा टोंक जिले में प्रारम्भ की गई।

→ संत धन्ना जी का जन्म टोंक जिले में हुआ था।

→ सुनहरी कोठी टोंक जिलें में स्थित है।

→ डिग्गी कल्याण जी का मंदिर मालपुरा, टोंक में स्थित है।

  → डिग्गी कल्याण जी को कलह पीर के नाम से भी जाना जाता है।

→ टोंक जिले में निवाई के पास रैढ नामक स्थान है। जहाँ पर एशिया का सबसे बड़ा सिक्कों का भण्डार मिला है।

  → रैढ को प्राचीन राजस्थान का टाटानगर कहा जाता है।

→ मौलाना अबुल कलाम आजाद - फारसी शोध संस्थान टोंक में स्थित है।

→ जोधपुरिया देव धाम टोंक में है। यहाँ पर गुर्जर समाज का सबसे बड़ा तीर्थ स्थल है।

⇒ बनस्थली विद्यापीठ, निवाई।

→ राज० में पहली बार 1935 में हीरालाल शास्त्री द्वारा शान्तीबाई कुटीर के नाम से बालिकाओं के लिये शिक्षा संस्था खोली गई।

→ 1936 में नाम बदलकर राजस्थान बालिका विद्यालय।

→ 1943 में नाम बदलकर बनस्थली विद्यापीठ।

→ 25 अक्टूबर 1983 में इसे डीम्ड विश्व विद्यालय का दर्जा दिया गया।

www.resultuniraj.co.in

⇒ टोडाग्राम :-

→ टोंक जिले में स्थित टोडा नामक गाँव में एक गुफा है जहाँ संत पीपाजी योग, भजन व ध्यान लगाते थे।

→ इसी गुफा में वे परमात्मा में विलीन हो गये अतः उन्ही के नाम पर इस गुफा का नाम पीपा जी की गुफा पड़ गया

→ हाथी भाटा नामक विशाल हाथी की पत्थरों की मूर्ति टोंक में स्थित है।

fb ved study group 9414918036

www.resultuniraj.co.in